



वशिव धरोहर दविस

प्रतविरष 18 अप्रैल को सांस्कृतिक-ऐतहासिक स्थलों और धरोहरों के संरक्षण हेतु जागरूकता पैदा करने के लिये 'अंतर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल दविस' (International Day for Monuments and Sites) अथवा 'वशिव धरोहर दविस' (World Heritage Day) का आयोजन कया जाता है।

- वर्ष 2022 के लिये वशिव धरोहर दविस की थीम "धरोहर और पर्यावरण" (Heritage and Climate) है।

परचिय:

- इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स (ICOMOS) ने वर्ष 1982 में 'वशिव धरोहर दविस' की स्थापना की थी और वर्ष 1983 में इसे 'संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन' (UNESCO) की मंजूरी प्राप्त हुई थी।
- इस दविस का उद्देश्य वभिन्न समुदायों के बीच सांस्कृतिक-ऐतहासिक वरिसत के बारे में जागरूकता पैदा करना है।

यूनेस्को के वशिव धरोहर स्थल:

- वशिव धरोहर/वरिसत स्थल का आशय एक ऐसे स्थान से है, जसि यूनेस्को द्वारा उसके वशिष्ट सांस्कृतिक अथवा भौतिक महत्त्व के कारण सूचीबद्ध कया गया है।
- वशिव धरोहर स्थलों की सूची को 'वशिव धरोहर कार्यक्रम' द्वारा तैयार कया जाता है, यूनेस्को की 'वशिव धरोहर समिति' द्वारा इस कार्यक्रम को प्रशासति कया जाता है।
- यह सूची यूनेस्को द्वारा वर्ष 1972 में अपनाई गई 'वशिव सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण से संबंधित कन्वेंशन' नामक एक अंतर्राष्ट्रीय संधि में सन्निहित है।

भारत में वशिव धरोहर स्थल:

- वर्तमान में भारत में कुल 38 वशिव धरोहर स्थल मौजूद हैं।
- इनमें से 30 'सांस्कृतिक' श्रेणी में हैं, जैसे क अजंता की गुफाएँ, फतेहपुर सीकरी और हमपी स्मारक आदि, जबकि 7 'प्राकृतिक' श्रेणी में हैं, जनिमें काजीरंगा, मानस और नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान शामिल हैं।
 - गुजरात के हड़प्पाकालीन शहर [धोलावीरा](#) को भारत के 40वें वशिव धरोहर स्थल का दर्ज़ा दया गया है।
 - [रामप्पा मंदिर](#) (तेलंगाना) भारत का 39वाँ वशिव धरोहर स्थल था।
 - सक्किमि का [कचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान "मशिरति वशिव वरिसत स्थल"](#) के रूप में नामति भारत का पहला और एकमात्र स्थल है।
- वर्ष 2022 में, केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने वर्ष 2022-2023 के लिये वशिव धरोहर स्थल के रूप में वचिर करने हेतु होयसल मंदिरों के पवतिर समागम को नामति कया है।

यूनेस्को

- यूनेस्को को वर्ष 1945 में स्थायी शांति के निर्माण के साधन के रूप में 'मानव जाति में बौद्धिक और नैतिक एकजुटता' वकिसति करने हेतु स्थापति कया गया था।
 - यह पेरिस, फ्राँस में स्थति है।
- यूनेस्को की प्रमुख पहलें
 - [मानव व जीवमंडल कार्यक्रम](#)
 - [वशिव वरिसत कार्यक्रम](#)
 - [यूनेस्को ग्लोबल जयिपारक नेटवर्क](#)
 - [यूनेस्को क्रिएटिवि सटीज नेटवर्क](#)
 - [एटलस ऑफ द वर्ल्ड्स लैंग्वेजेज इन डेंजर](#)

इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स (ICOMOS)

- यह यूनेस्को से संबद्ध एक वैश्विक गैर-सरकारी संगठन है। यह भी पेरिस, फ्रांस में स्थित है।
- इसका प्राथमिक मशन स्मारकों, परिसरों और स्थलों के निर्माण, संरक्षण, उपयोग और बढ़ोतरी को प्रोत्साहन देना है।
- यह यूनेस्को के विश्व धरोहर सम्मेलन के कार्यान्वयन हेतु विश्व धरोहर समिति के एक सलाहकार निकाय के रूप में भी कार्य करता है।
 - इस रूप में यह सांस्कृतिक विश्व वरिसतों के नामांकन की समीक्षा करता है और उनकी संरक्षण स्थिति सुनिश्चित करता है।
- वर्ष 1965 में इसकी स्थापना वास्तुकारों, इतिहासकारों और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के बीच शुरू हुई वार्ता का तार्किक परिणाम है, जो बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में शुरू हुई और वर्ष 1964 में 'वेनिस चार्टर' के रूप में संपन्न हुई।

यू.पी.एस.सी. सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs):

प्रश्न. हाल ही में नमिनलखिति में से कसि यूनेस्को की विश्व वरिसत सूची में शामिल कयिा गया है? (2009)

- (a) दलिवाड़ा मंदरि
- (b) कालका-शमिला रेलवे
- (c) भतिरकनकिा मैंगरोव क्षेत्त्र
- (d) वशिाखापत्तनम से अराकू घाटी रेलवे लाइन

उत्तर: (b)

- **कालका-शमिला रेलवे:** यह 96 किलोमीटर लंबा, सगिल ट्रैक वर्कगि रेल लकि है, जसि 19वीं शताब्दी के मध्य में शमिला के पहाड़ी शहर को सेवा प्रदान करने के लयि बनाया गया था।
- लगभग 111 वर्ष पुरानी ऐतहिासकि कालका-शमिला रेलवे लाइन, 2008 में यूनेस्को द्वारा घोषति विश्व धरोहर रेलवे लाइन बनी और इसे "भारत के परवतीय रेलवे" के तहत सूचीबद्ध कयिा गया है।

स्रोत: लाइव मटि

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/world-heritage-day>

